

राजस्थान सरकार
राजस्व बृगुप-६ विभाग

१२५०

क्रमांकः प. ६४३४ राज. अंक. ८००१/६६

अधिसूचना

जयपुर, दिनांक
२३।१०।०१

राजस्थान में—राजस्त अधिनियम १९५६ द्वारा राजस्थान अधिनियम संख्या १५ वर्ष १९५६ की धारा २६ उपधारा ४१ के खण्ड बृगृष्ण तथा धारा २६० उप धारा ४१ के खण्ड बृष्ण द्वारा प्रदत्त इकाईयों का प्रबोग करते हुए राज्य सरकार सतद्वारा निर्देश देती है कि राजस्थान कावलकारी अधिनियम, १९५५ द्वारा राजस्थान अधिनियम संख्या ३ वर्ष १९५५ की धारा ८८ के अन्तर्गत शोषणात्मक वादों के निष्ठारण हेतु सहायक कलेक्टर/उपर्युक्त अधिकारी पर अधिरोपित कर्तव्यों स्वरूप कावितयों का राज्य के समस्त जिलों में कार्यरत समस्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी/समस्त राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के भीतर दृष्टी में किया जावेगा।

यह अधिसूचना दिनांक १०.१०.२००१ से ३१.१२.२००१ तक प्रभावी रहेगी।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मेरी सेवा
प्रेसल. एन. शामा
शासन उप सचिव

प्रतिलिपि— निम्नांकित जो सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैः—

१. निजी सचिव, मुख्यमंत्री महोदय/राजस्व मंत्री महोदय।
२. निजी सचिव, मुख्य सचिव महोदय/अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव महोदय एवं विकास आयुक्त।
३. निजी सचिव/राजरव सचिव/विविध भासन सचिव महोदय।
४. निबन्धक, राजस्व मण्डल, राजस्थान, अजमेर।
५. समस्त तमाङ्गीय आयुक्त राजस्थान।
६. समस्त जिला कलेक्टर, राजस्थान।
७. निदेशक, राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, राजस्थान, जयपुर को राजपत्र विभाग के दिनांक २३।१०।०१ पर्याप्तानार्थ।
८. निदेशक, जनरल मण्डल, राजस्थान, अजमेर।
९. "साविरा" राजस्व मण्डल, राजस्थान, अजमेर।
१०. समस्त शासन उप सचिव, राजस्व विभाग।
११. अतिरिक्त निबन्धक इवित्त एवं लेखा राजस्व मण्डल, अजमेर।
१२. पिधि संहिताकार विभाग।
१३. राधित पत्रावली।

मेरी सेवा
शासन उप सचिव